web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 21 जून 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 264

सुप्रीम कोर्ट का नीट काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार, एनटीए और केंद्र सरकार को नोटिस जारी

नई दिल्ली । आरएनएस

नीट परीक्षा रद्द करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में आज अहम सुनवाई हुई। जस्टिस विक्रम नाथ और एस.वी.एन. भाटी की बेंच चार याचिकाएं ट्रांसफर कराने वाली एनटीए की अर्जी पर भी सुनवाई की। कोर्ट ने काउंससिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। एनटीए को कहा नोटिस जारी करें और 8 जुलाई तक जवाब दें और लंबित याचिका के साथ टैग करें।

एनटीए के वकील ने कहा कि हम हाईकोर्ट से स्टे की मांग कर रहे हैं। इस पर पीठ ने कहा कि इस तरह के स्टे की कोई जरूरत नहीं है। हमने पहले ही नोटिस जारी कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने नीट यूजी मामलों में हाईकोर्ट में चल रहे सभी मामलों पर रोक लगा दी है और नोटिस जारी किया है। अगली सुनवाई 8 जुलाई को होगी।

इससे पहले, मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने नीट परीक्षा आयोजित करने में किसी भी लापरवाही के खिलाफ सख्त कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। जस्टिस विक्रम नाथ और एसवीएन भट्टी की अवकाश पीठ ने टिप्पणी की, अगर किसी की ओर से 0.001 प्रतिशत भी लापरवाही हुई है, तो उससे पूरी तरह निपटा जाना चाहिए। इन सभी मामलों को प्रतिकूल मुकदमेबाजी के रूप में नहीं माना जाना चाहिए।

शिक्षा मंत्रालय ने पटना में आयोजित नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं के संबंध में बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि ग्रेस मार्क्स के आवंटन के बारे में चिंताओं को पूरी तरह से दूर कर दिया गया है।छात्रों ने कथित प्रश्नपत्र लीक, प्रतिपूरक अंक देने और परीक्षा के प्रश्नों में विसंगतियों से संबंधित मुद्दे उठाए हैं। 5 मई, 2024 को नई याचिकाएं प्राप्त होने पर सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को नोटिस जारी किया और दो सप्ताह के भीतर जवाब मांगा। इन याचिकाओं पर, मौजूदा याचिकाओं के साथ, 8 जुलाई को सुनवाई होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने नीट का प्रश्नपत्र, उत्तर जारी करने संबंधी याचिका पर मांगा जवाब

नई दिल्ली । आरएनएस

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उस याचिका पर नोटिस जारी किया जिसमें राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) से नीट (पीजी) का प्रश्न पत्र और उत्तर (आंसर-की) सार्वजनिक करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत होते हुए न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली अवकाश पीठ ने एनबीई, मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) और अन्य से जवाब मांगा है। पीठ में न्यायमूर्ति एस.वी.एन. भट्टी भी शामिल थे। शीर्ष अदालत ने कहा, 8 जुलाई तक जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी करें। इस बीच, प्रतिवादी जवाबी हलफनामा दाखिल कर सकते हैं। सुनवाई के दौरान नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने कहा कि वह इस मामले में अनिवार्य पक्ष नहीं है, और प्रतिवादियों की सूची से उसका नाम हटाया जा सकता है। एनटीए के वकील ने कहा, पीजी (प्रवेश परीक्षा) का आयोजन राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड करता है।

इस पर न्यायमूर्ति भट्टी ने कहा, जब हम आदेश पारित करेंगे तो सुप्रीम कोर्ट के नियमों के तहत अपने विवेक का इस्तेमाल करेंगे और प्रतिवादियों की सूची से आपका नाम हटा देंगे। सीधे सुप्रीम कोर्ट में दायर इस याचिका में, यह जानते हुए भी कि हाल की परीक्षाओं में गंभीर गड़बडिय़ों के मामले सामने आये हैं, एनबीए के नीट पीजी 2022 के प्रश्न पत्र तथा उत्तर कुंजी जारी न करने, और पुनर्मूल्यांकन का कोई विकल्प न देने के मनमाने कृत्य और फैसले को चुनौती दी गई है। एडवोकेट चारु माथुर द्वारा दायर याचिका में कहा गया है, देश में नीट-पीजी जैसी कोई दूसरी परीक्षा नहीं है जहां पारदर्शिता की कमी इस स्तर की हो और सूचना का प्रवाह इस कदर एकतरफा हो। इसमें कहा गया है कि नीट-यूजी और आईआईटी-जेईई, सीमैट, क्लैट और न्यायिक सेवा परीक्षा जैसी कई प्रतिष्ठित परीक्षाओं में छात्रों के पास उत्तर कुंजी को चुनौती देने का विकल्प होता है। वहीं, नीट-पीजी 2024 के लिए जारी सूचना बुलेटिन में पिछले वर्षों की तरह ही उत्तर पत्र के पुनर्मूल्यांकन के अनुरोध का विकल्प नहीं दिया गया है और कहा गया है कि उम्मीदवारों को सूचना का अधिकार के तहत भी अपना उत्तर पत्र मांगने का अधिकार नहीं होगा।

जहरीली शराब पीने से 30 लोगों की मौत, 100 से ज्यादा हॉस्पिटल में भर्ती

चेन्नई । आरएनएस

तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में जहरीली शराब पीने से 30 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कल्लाकुरिचि के जिला कलेक्टर एमएस प्रशांत ने इसकी पुष्टि की है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। कल्लाकुरिची के जिला कलेक्टर एमएस प्रशांत ने जिले के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज करा रहे लोगों से मुलाकात की। इस मामले में 49 वर्षीय (अवैध शराब विक्रेता) के. कन्नुकुट्टी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके पास से जब्त की गयी करीब 200 लीटर अवैध शराब की जांच में सामने आया कि उसमें घातक 'मेथनॉल' मौजूद था। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मौतों पर दुख जताया और कहा कि इसे रोकने में विफल रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। स्टालिन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'कल्लाकुरिची में मिलावटी शराब पीने वाले लोगों की मौत की खबर सुनकर मैं स्तब्ध और दुखी हूं। इस मामले में शामिल लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसे रोकने में विफल रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा, 'अगर जनता ऐसे अपराधों में शामिल लोगों के बारे में जानकारी देती है तो तत्काल कार्रवाई की जाएगी। समाज को बर्बाद करने वाले ऐसे अपराधों को सख्ती से दबाया जाएगा। राज्यपाल की ओर से तमिलनाडु राजभवन ने एक पोस्ट शेयर कर कहा, 'मुझे यह जानकर बहुत दुख हुआ कि जहरीली शराब पीने से कल्लाकुरिची में कई लोगों की जान चली गई। कई अन्य गंभीर हालत में हैं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना और अस्पतालों में भर्ती लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना है।

भारतीय रेलवे ने विश्व के सबसे ऊंचे चिनाब रेल ब्रिज पर किया सफल ट्रायल

16 जून को पहली बार इलेक्ट्रिक इंजन चला था

नईदिल्ली । आरएनएस

भारतीय रेलवे ने रामबन जिले के संगलदान और रियासी के बीच नवनिर्मित दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल-चिनाब रेल ब्रिज पर ट्रायल रन किया. लाइन पर रेल सेवाएं जल्द ही शुरू होंगी. यह पुल चिनाब नदी से करीब 359 मीटर ऊपर बना है. यह पुल दुनिया का सबसे ऊंचा रेल पुल है. रेलवे अफसरों ने बीते रविवार को रामबन जिले के संगलदान और जम्मू कश्मीर के रियासी के बीच नवनिर्मित चिनाब रेल पुल का निरीक्षण किया था.

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बीते रविवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा था, पहला ट्रायल सफल रहा, यह ट्रेन संगलदान से रियासी तक सफलतापूर्वक चली है. इसमें चिनाब ब्रिज को सफलता से पार करना भी शामिल है. यूएसबीआरएल को लेकर सभी निर्माण कार्य करीब-करीब खत्म हो चुका है.

उधमपुरा श्रीनगर बारामूला रेल लिंक प्रोजेक्ट इस वर्ष के अंत तक खत्म हो जाएगा. इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन 20 फरवरी, 2024 को पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से किया गया था.

आपको बता दें कि चिनाब रेल पुल के निर्माण मे करीब 30 हजार मीट्रिक टन स्टील का प्रयोग किया गया है. इसका निर्माण 1486 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है. इस ब्रिज का निर्माण उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना के तहत हुआ है. यह ट्रेन सात स्टेशनों से होकर बारामूला तक जाएगी. इस मार्ग से घाटी के लोगों को आने-जानें में आसानी होगी.

जम्मू और कश्मीर में चेनाब नदी के ऊपर 359 मीटर (लगभग 109 फीट) की ऊंचाई पर तैयार चेनाब रेल ब्रिज ने एफिल टॉवर को मात दी है. यह एफिल टॉवर से करीब 35 मीटर ऊंचा बना है. इस पुल को स्टील से तैयार किया गया है. इसकी कुल लंबाई 1,315 मीटर (4,314 फीट) है. यह सिंगल रेल ट्रैक है. यह पूरी कश्मीर घाटी से संपर्क साधने में मदद करेगा.

राजस्थान की 7 प्राईवेट यूनिवर्सिटी जांच के घेरे में, फर्जी डिग्री बांटने और फर्जी तरीके से पीएचडी देने का आरोप

जयपुर । आरएनएस

भजनलाल सरकार ने प्रदेश की 7 प्राईवेट यूनिवर्सिटी के खिलाफ जांच बैठा दी है। इन प्राइवेट यूनिवर्सिटी के खिलाफ फर्जी तरीके से डिग्री बांटने, बिना मान्यता के कोर्स चलाने के साथ नियमों के खिलाफ जाकर पीएचडी कराने का आरोप लगा है। इन सात प्राइवेट यूनिवर्सिटी में से तीन यूनिवर्सिटी के खिलाफ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, यानी यूजीसी ने पत्र लिखा है। उच्च शिक्षा विभाग के मुताबिक जांच के दायरे में चूरू की ओपीजेएस यूनिवर्सिटी, झुंझनूं की सिंघानिया यूनिवर्सिटी, जयपुर की निर्वाण यूनिवर्सिटी, नीमराना की रैफल्स यूनिवर्सिटी, सिरोही की माधव यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ टैक्नोलॉजी शामिल है। प्रत्येक यूनिवर्सिटी की जांच के लिए अलग-अलग चार सदस्यीय जांच कमेटी बनाई गई है। यह जांच कमेटी फर्जी डिग्री, बिना मान्यता के कोर्स चलाने के अलावा नियम विरूद्ध पीएचडी कराने वाली शिकायतों की जांच करेगी। वहीं रैफल्स यूनिवर्सिटी, माधव यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ टैक्नोलॉजी के लिए तो जांच के लिए यूजीसी ने राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा विभाग को पत्र लिखा है। पत्र के जरिये पीएचडी के मामलो की जांच कराने के निर्देश दिए गए है। आपको बता दे कि बीते दिनों उच्च शिक्षा विभाग ने एक पब्लिक नोटिस के जरिये छात्र-छात्राओं और अभिभावकों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए है। निर्देशों में बताया गया है कि राजस्थान में अब तक 53 निजी विश्वविद्यालय खुल चुके है और कई निजी विश्वविद्यालयों पर फर्जी डिग्री बांटने का आरोप लग चुका है, जिनकी जांच प्रक्रिया लंबित है। उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार ने यह दिशा-निर्देश जारी किए है। निर्देशों में बताया गया है राजस्थान में एसओजी और पुलिस की तरफ से कई निजी विश्वविद्यालयों के फर्जी डिग्री बांटने का भंडाफोड़ किया जा चुका है, इस मामले में कई लोग गिरफ्तार भी हो चुके है। साथ ही आरपीएससी की तरफ से डिग्रियों के जांच सत्यापन में भी फर्जी डिग्री बांटने का भंडाफोड़ हो चुका है। उच्च शिक्षा विभाग के मुताबिक सत्र 2024-25 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। साथ ही अनेक निजी विश्वविद्यालय समाचार पत्रों में विज्ञापन जारी करके विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित कर रहे है। लेकिन इस विज्ञापनों में न तो प्रवेश हेतु उपलब्ध सीटों की संख्या का उल्लेख किया जा रहा है और ना ही आवेदन की अंतिम तिथि, प्रवेश हेतु चयन का माध्यम आदि का उल्लेख किया जा रहा है।

साथ ही ऐसे पाठ्यक्रमों के लिए भी आवेदन आमंत्रित किये जा रहे है, जिनमें प्रवेश राज्य सरकार द्वारा अधिकृत एजेंसी द्वारा प्रवेश परीक्षा आयोजित कर उसके माध्यम से विद्यार्थी आवंटित करके ही प्रवेश दिये जा सकते है।

उच्च शिक्षा विभाग ने पब्लिक नोटिस में यह सूचित किया है कि अभिभावक और छात्र-छात्राएं भ्रामक विज्ञापनों से बचे और निजी विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेने से पहले यह सुनिश्चित कर लेवें कि विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए अधिकृत है।

दर्दनाक हादसा: शार्ट सर्किट से तीन मंजिला मकान में लगी आग, जिंदा जले पिता और दो बेटियां

ग्वालियर । आरएनएस

मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में गुरुवार सुबह एक तीन मंजिला इमारत में आग लगने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि मृतकों में पिता और उनकी दो बेटियां शामिल हैं। घटना बहोड़ापुर थाना क्षेत्र स्थित कैलाश नगर की है। विजय गुप्ता के तीन मंजिला मकान में गुरुवार सुबह अचानक आग लग गई। मकान की दूसरी मंजिल पर ड्राई फ्रूट का गोदाम था। आग रसोई से शुरू हुई और उसने धीरे-धीरे विकराल रूप धारण कर लिया।

मकान में आग लगने की सूचना पर दमकल की गाडिय़ां और पुलिस मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाए जाने से पहले ही मकान की एक दीवार को तोड़ा गया। अंदर तीन लोगों के शव मिले। तीनों की मौत दम घुटने से होने की आशंका है। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है।

पिता और दोनों बेटियों के शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजे गए हैं।

5 महीने में करीब तीन करोड़ श्रद्धालुओं ने काशी विश्वनाथ धाम में किए दर्शन

वाराणसी । आरएनएस

काशी विश्वनाथ मंदिर में साल दर साल श्रद्धालुओं की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि हो रही है। बाबा विश्वनाथ के दरबार में दर्शन करने की सुगमता और बढ़ी हुई सुविधाओं के चलते श्रद्धालु बड़ी संख्या में यहां आ रहे हैं। पिछले पांच महीने यानी जनवरी से मई तक शिव भक्तों की संख्या में 48.23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मंदिर के दिव्य और भव्य निर्माण के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि 1 जनवरी से लेकर 31 मई 2024 तक

2,86,57,473 श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए। साल 2023 में इस समय सीमा के दौरान 1,93,32,791 श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए थे। यानी पिछले साल के मुकाबले बाबा के दरबार में इस साल 93,24,682 श्रद्धालु अधिक पहुंचे।

बाबा विश्वनाथ के बदवार में दर्शन करने आई यशोदा बताती हैं कि बाबा के धाम में बहुत शानदार व्यवस्था है। भक्तों के लिए मंदिर में पानी की व्यवस्था की गई है। मंदिर परिसर में तेज धूप से बचने के लिए जगह-जगह टेंट लगाई गई है।

एक श्रद्धालु भानुमति गर्ग बताती हैं कि बाबा के दरबार में दर्शन के लिए बहुत ही अच्छी व्यवस्था है। दर्शन के बाद यहां आप बैठ भी सकते हैं। भक्तों के लिए पानी की व्यवस्था की गई है, खाली पैर चलने में लोगों के पैर न जले, इसके लिए कालीन की व्यवस्था की गई है।

उल्लेखनीय है कि 13 दिसंबर 2021 को पीएम मोदी ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण किया। काशी कॉरिडोर बनने के बाद बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने जाने वाले श्रद्धालुओं को अब गलियों और संकरे रास्तों से गुजरना नहीं पड़ता है। अब श्रद्धालु गंगा घाट से कॉरिडोर के रास्ते बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए जा सकते हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंग में से एक है।

कोविड के बाद निगमबोध घाट पर एक दिन में हुआ सबसे ज्यादा दाह संस्कार, मौत की वजह भीषण गर्मी

नई दिल्ली । आरएनएस

दिल्ली के निगमबोध घाट पर बुधवार को कोरोना के बाद सबसे ज्यादा शव आए। इसकी एक वजह भीषण गर्मी बताई जा रही है। निगमबोध घाट दिल्ली का सबसे बड़ा श्मशान घाट है। यहां साधारणतया हर रोज 50 से 60 शव आते हैं। लेकिन बुधवार को 142 शव आए।पिछले कुछ सालों से जून के महीने में शमशान घाट में शवों की संख्या में वृद्धि दर्ज की जा रही है। इससे पहले कोविड के दिनों में शवों की संख्या में बढ़ोतरी देखने को मिली थी। उस दौरान जून के महीने में शवों की संख्या 1500 थी। निगमबोध घाट

पर कोविड महामारी के दौरान एक दिन में 253 शव आए थे।

निगमबोध घाट के प्रभारी सुमन गुप्ता ने इस संबंध में बताया, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भीषण गर्मी पड़ रही है। इसकी वजह से शमशान घाट में शवों की संख्या में तेजी देखने को मिली है। यह कहने में कोई गुरेज नहीं होना चाहिए कि कोरोना के बाद सबसे ज्यादा शव कल आए। निगमबोध घाट दिल्ली का सबसे बड़ा शमशान घाट है। यहां वैसे भी प्रतिदिन बड़ी संख्या में शव आते हैं।

शवों की संख्या गर्मी में या सर्दी में बढ़ जाती है। गर्मी में लोग अत्यधिक तापमान और हीटवेव की वजह से अपनी जान गंवा देते हैं। वहीं सर्दी में बुजुर्ग लोगों को सांस की समस्या होती है, जिसकी वजह से शमशान घाट में आने वाले शवों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की जाती है।

बता दें कि पूरा उत्तर भारत इस वक्त भीषण गर्मी की चपेट में है। एनसीआर में हीट स्ट्रोक के मामलों में वृद्धि देखी गई है। अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या बढऩे लगी है। दस्त, डायरिया, उल्टी आदि मामलों के रोगियों की संख्या भी काफी बढ़ गई है।

अगर राजधानी दिल्ली की बात करें तो अलग-अलग अस्पतालों में हीट स्ट्रोक के मरीजों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। सिर्फ सफदरजंग अस्पताल में एक दिन में बुधवार को हीट स्ट्रोक के 15 मरीज भर्ती हुए।

महत्वपूर्ण एवं खास

नीतीश सरकार को बड़ा झटका, हाईकोर्ट ने आरक्षण बढ़ाने का फैसला किया रद्द

पटना (आरएनएस)। पटना हाईकोर्ट ने गुरुवार को राज्य सरकार को बड़ा झटका देते हुए आरक्षण बढ़ाने का फैसला रद कर दिया है। दरअसल, राज्य में आरक्षण की सीमा 50 फीसदी होती है, लेकिन बिहार सरकार ने आरक्षण को 65 फीसदी तक बढ़ा दिया था, जिसे हाई कोर्ट ने अब रद कर दिया है। आरक्षण कानून में किए गए हालिया संशोधन की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली रिट याचिकाओं को स्वीकृति दे दी है। मुख्य न्यायाधीश के विनोद चंद्रन एवं न्यायाधीश हरीश कुमार की खंडपीठ ने विगत 11 मार्च को इस मामले पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे गुरुवार को सुनाया गया। याचिका में राज्य सरकार द्वारा 21नवंबर,2023 को पारित कानून को चुनौती दी गई थी, जिसमें एससी,एसटी,ईबीसी व अन्य पिछड़े वर्गों को 65 फीसदी आरक्षण दिया गया है,जबकि सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए मात्र 35 फीसदी ही पदों पर सरकारी सेवा में दिया जा सकता है जिसमें ईडब्लूएस के लिए 10 फ़ीसदी आरक्षण भी शामिल है।

श्रीनगर पहुंचे पीएम मोदी की बड़ी घोषणा, बोले- जल्द जम्मू-कश्मीर बनेगा राज्य

जम्मू (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज जम्मू कश्मीर दौरे पर पहुंचे और उन्होंने श्रीनगर में 'युवाओं का सशक्तिकरण, जम्मू-कश्मीर में बदलाव' कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने जम्मू कश्मीर को करीब 3300 करोड़ रुपये का तोहफा दिया। मोदी ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि वो दिन भी जल्द आएगा जम्मू कश्मीर राज्य के रूप में अपना भविष्य और उज्वल बनाएगा। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए तैयारियां हो रही हैं, जल्द यहां के लोग अपनी सरकार चुनेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार काम करती है और नतीजे दिखाती है। तीसरी बार सरकार बनाने से दुनिया को स्थिरता का संदेश मिला है। हमारी सरकार को लेट-लतीफी पसंद नहीं है। आज जो बदलाव जम्मू-कश्मीर में दिख रहे हैं, वह बीते 10 साल में हमारे काम का नतीजा है। पीएम मोदी 21 जून को योग दिवस पर सुबह 6.30 बजे से कॉमन योग प्रोटोकॉल के तहत स्यढ़्ढष्टष्ट के बैकयार्ड में डल झील के किनारे योग आसन करेंगे। इस दौरान करीब 7 हजार लोग उनके साथ योग करेंगे। कुछ लोगों को विभिन्न आसनों की ट्रेनिंग दी गई है। कश्मीर में पीएम मोदी के दौरे को देखते हुए प्रशासन ने आम जनता के लिए रास्ते से जुड़ी हुई एडवाइजरी जारी की है।

अमेरिका के अलास्का में विमान हादसे में दो लोगों की मौत

सैन फ्रांसिस्को । अमेरिका के अलास्का प्रांत के केनाई प्रायद्वीप में क्रिसेंट लेक में एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो लोगों की मौत हो गई है। दो हाइकरों, जिन्होंने दोपहर यह दुर्घटना देखी थी, पेट्रोलिंग ड्यूटी में लगे पुलिस के जवानों को इसकी सूचना दी। बचाव दल ने एक हेलीकॉप्टर और एक फ्लोट प्लेन को क्षेत्र में भेजा जिसने झील में मलबा पाया, लेकिन पानी में या किनारे पर किसी के जीवित बचे होने के कोई संकेत नहीं मिले। शवों की तलाश जारी थी। पाइपर पीए-18 सुपर क्यूब विमान के क्षेत्र में आने की सूचना मिली थी, जिसमें दो लोग सवार थे।